राजस्थान सरकार
शिक्षा–विभाग
निदेशालय कालेज शिक्षा, राजस्थान, जयपुर
कार्यवाही विवरण

दिनांक 17 सितम्बर 2013 को सत्र 2014–15 से राजकीय महाविद्यालयों में कम्यूनिटी कॉलेज की स्थापना बाबत विचार–विमर्श हेतु बैठक शिक्षा संकुल के समिति कक्ष में प्रातः 11:00 बजे श्री नवीन जैन, निदेशक, कालेज शिक्षा, राजस्थान, जयपुर की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई, जिसमें निम्नांकित सदस्य उपस्थित हुए–

क्र.सं.	नाम सदस्य	पद	पदस्थापन स्थान/पता
1.	श्री नवीन जैन	निदेशक	कालेज शिक्षा, राज., जयपुर
2.	डॉ. राजेश शुक्ला	संयुक्त निदेशक, अकादमी	कालेज शिक्षा, राज., जयपुर
3.	डॉ. सी.एम. खटीक	संयुक्त निदेशक, पी एण्ड सी	कालेज शिक्षा, राज., जयपुर
4.	डॉ. अल्पना व्यास	व्याख्याता, अकादमी	कालेज शिक्षा, राज., जयपुर
5.	डॉ. कृष्णा राठौड़	प्राचार्य	राजकीय डूंगर कालेज, बीकानेर
6.	श्री सुनील भार्गव	प्राचार्य	राजकीय महाविद्यालय, कोटा
7.	श्री दीपकराज मेहरोत्रा	प्राचार्य	राजकीय महाविद्यालय, किशनगढ़
8.	श्रीमती ज्योति सिन्हा	प्राचार्य	राजकीय जी.डी. कन्या महा. अलवर
9.	प्रो. बी. अरूण कुमार	निदेशक, वोकेशनल एज्यूकेशन	वर्धमान महावीर ओपन यूनिवर्सिटी, कोटा
10.	प्रो.एल.आर. गुर्जर	निदेशक, अकादमी	वर्धमान महावीर ओपन यूनिवर्सिटी, कोटा
11.	प्रो. अशोक शर्मा	प्रोफेसर	वर्धमान महावीर ओपन यूनिवर्सिटी, कोटा
12.	प्रो. पी.के. शर्मा	प्रोफेसर	वर्धमान महावीर ओपन यूनिवर्सिटी, कोटा
13.	श्री एन.एल. चंदेल	उप कुल सचिव	वर्धमान महावीर ओपन यूनिवर्सिटी, कोटा
14.	डॉ. अकबर अली	सहायक प्रोफेसर	वर्धमान महावीर ओपन यूनिवर्सिटी, कोटा
15.	श्री अभिषेक नायर	प्रोग्राम ऑफिसर	वर्धमान महावीर ओपन यूनिवर्सिटी, कोटा
16.	डॉ. एस.एल. चौबीसा	व्याख्याता	राजकीय मीरा कन्या महा. उदयपुर
17.	डॉ. बी.डी. अग्रवाल	व्याख्याता	राज. एम.एल.वी. महा., भीलवाड़ा
18.	डॉ. वी.एन. देव	व्याख्याता	राज. आर.आर. कालेज, अलवर

सर्वप्रथम अध्यक्ष महोदय ने सभी आगन्तुक महानुभावों का परिचय लेते हुए स्वागत किया तथा बताया कि कम्यूनिटी कॉलेज की स्थापना का कन्सेप्ट इस साल फरवरी में कैट कोर्स एवं कम्यूनिटी कॉलेज कान्सेप्ट पर एक सेमिनार आयोजित की गई थी। उक्त सेमिनार में निदेशक महोदय द्वारा एमएचआरडी की कम्यूनिटी कॉलेज योजना के संबंध में विस्तृत रूप से बतलाया गया था एवं केन्द्रीय विश्वविद्यालय, किशनगढ़ (अजमेर) को इस योजना के संचालन में विभिन्न पाठ्यक्रम निर्धारण एवं उनके सर्टिफिकेशन के संबंध में सक्रिय भागीदारी निभाने हेतु कहा गया था।

अध्यक्ष महोदय ने बताया कि मिनिस्ट्री ऑफ कॉरपोरेट एफ्येर्स, भारत सरकार, नई दिल्ली से पत्र प्राप्त हुआ था। जिसके पश्चात् हमने आई.सी.ए.आई. से सम्पर्क कर राजकीय महाविद्यालयों में

कैट सर्टिफिकेट कोर्स सत्र 2013–14 से प्रारम्भ किया है, वर्तमान में इस कोर्स में 1100 से ज्यादा छात्रों का पंजीयन हुआ है। आई.सी.ए.आई. के सहयोग से यह कार्स संचालित किया जा रहा है।

अध्यक्ष महोदय ने कम्यूनिटी कॉलेज की स्थापना के सम्बन्ध में निम्नलिखित दो बातें बताई–

1. Why Community College required in India ?
2. Community College is Vocational Courses.

उन्होंने बताया कि वर्धमान महावीर ओपन यूनिवर्सिटी, कोटा के द्वारा कई सुसंगत विषयों में डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट कोर्स उपलब्ध है, जिनके सैलेबस व सर्टिफिकेशन निर्धारित है। राजकीय महाविद्यालय इन पाठ्यक्रमों के डिलेवरी प्वाइंट के रूप में काम कर सकते हैं। किसी भी प्रोफेशनल कोर्स संचालन के लिए 3 मुख्य बिन्दु है–

1. (Course Designe) कोर्स का निर्धारण
2. (Delivery Point- Colleges) वितरण बिन्दु
3. (Certification) कोर्स प्रमाणिकरण

अध्यक्ष महोदय ने कहा कि राज्य सरकार, उद्योग एवं विश्वविद्यालय के संयुक्त प्रयासों से ही व्यावसायिक कोर्स सतत् रूप से संचालित किये जा सकते हैं।

अध्यक्ष महोदय ने कहा कि अभी सितम्बर चल रहा है इसलिए सत्र 2013–14 के लिए विलम्ब हो गया है परन्तु सत्र 2014–15 से कम्यूनिटी कॉलेज की स्थापना एवं संचालन के लिए विचार किया जा रहा है।

वर्धमान महावीर ओपन यूनिवर्सिटी के निदेशक, अकादमी ने कहा कि हमारे यहां पर वोकेशनल कोर्सेज दो सत्रों में चलाए जाते हैं, एक 1 जुलाई 2013 से एवं दूसरा 1 जनवरी 2014 से प्रारम्भ होते है। सर्टिफिकेट कोर्सेज 6 माह के एवं डिप्लोमा कोर्सेज 1 वर्ष के होते है। एक बार छात्र यदि सर्टिफिकेट कोर्स ले लेता है तो वह उसे डिप्लोमा कोर्स में भी परिवर्तित करवा सकता है।

अध्यक्ष महोदय ने कहा कि वर्धमान महावीर ओपन यूनिवर्सिटी, कोटा के द्वारा संचालित डिप्लोमा और सर्टिफिकेट के विवरण का मैंने अध्ययन किया है, ये सभी वर्ग के विद्यार्थियों के लिए स्थान विशेष के अनुसार महत्वपूर्ण है। अन्य विश्वविद्यालय डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट कोर्सेज में काम नहीं करते है तथा उनका क्षेत्राधिकार भी सीमित है। वर्धमान महावीर ओपन यूनिवर्सिटी, कोटा का क्षेत्राधिकार पूरा राजस्थान है, इसलिए ये कोर्सेज सभी राजकीय महाविद्यालयों में संचालित किये जा सकते है।

अध्यक्ष महोदय ने कहा कि निदेशालय स्तर से प्रकाशित होने वाली प्रवेश नीति 2014–15 में इन कोर्सेज के बारे में स्पष्ट रूप से उल्लेख कर दिया जायेगा जैसा कि प्रवेश नीति 2013–14 में कैट कोर्स के लिए इंगित किया गया था। उन्होंने कहा कि वर्धमान महावीर ओपन यूनिवर्सिटी, कोटा के डिप्लोमा/सर्टिफिकेट कोर्सेज जो कि राजकीय महाविद्यालयों में संचालित किये जाने होगें उन हेतु निदेशालय स्तर पर एम.ओ.यू. हस्ताक्षरित किया जायेगा, जिसमें निम्नलिखित बातों को समाविष्ट किया जायेगा–

1. वर्धमान महावीर ओपन यूनिवर्सिटी, कोटा के कोर्सेज के टाईपशुदा मैटेरियल डिलीवरी हेतु
2. वर्धमान महावीर ओपन यूनिवर्सिटी, कोटा को फैकल्टी ओरिएण्टेशन की ट्रेनिंग दिलवानी होगी।
3. फी स्ट्रक्चर एवं समय सीमा – वर्धमान महावीर ओपन यूनिवर्सिटी, कोटा

वर्धमान महावीर ओपन यूनिवर्सिटी, कोटा के श्री शर्मा ने अवगत कराया कि विश्वविद्यालय के पास ट्रेनिंग कराने के संसाधन उपलब्ध है, इस हेतु विश्वविद्यालय को अलग से अनुदान मिलता हैं।

वर्धमान महावीर ओपन यूनिवर्सिटी, कोटा के अधिकारियों ने अवगत कराया कि वर्तमान में 47 राजकीय महाविद्यालयों में हमारे स्टेडी सेन्टर संचालित है। 42 राजकीय महाविद्यालयों में पूर्व व्यवस्थानुसार

एवं 4–5 महाविद्यालयों में पी.पी. मोडल के तहत हमारे स्टेडी सेन्टर संचालित है। पी.पी. मोडल में विद्यार्थियों से ली जाने वाली फीस में से विश्वविद्यालय के स्थाई खर्चे को हटाने के बाद शेष बची राशि का 40 प्रतिशत राशि स्टेडी सेन्टर को एवं 60 प्रतिशत व विश्वविद्यालय के स्थाई खर्चे की राशि विश्वविद्यालय को भिजवानी होती है। उन्होंने अगवत कराया कि पूर्व में 42 राजकीय महाविद्यालयों में संचालित स्टेडी सेन्टर के अन्तर्गत प्राचार्य, कोर्स चीफ कन्वेनर, एक मंत्रालयिक कर्मचारी एवं एक चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी को एक निश्चित राशि प्रति माह विश्वविद्यालय द्वारा देय होती है, चाहे वहां पर विद्यार्थियों की संख्या कितनी भी हो। सभी स्टेडी सेन्टर में रविवार को कक्षाओं का संचालन होता है। उन्होंने कहा कि परीक्षाओं के संचालन के लिए केन्द्राधीक्षक, विक्षक, मंत्रालयिक एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को अलग से पारिश्रमिक का भुगतान विश्वविद्यालय द्वारा किया जाता है। उन्होंने अवगत कराया कि राजकीय डूंगर कालेज, बीकानेर हमारा हायेस्ट सैलर है। उन्होंने यह भी अवगत कराया कि उनके द्वारा संचालित सभी कोर्सेज हिन्दी व अंग्रेजी में से किसी भी एक माध्यम से किये जा सकते है।

अध्यक्ष महोदय ने ऐरिया विशेष के हिसाब से विभिन्न डिप्लोमा/सर्टिफिकेट कोर्स के बारे में संक्षेप में उनकी उपयोगिता के बारे में उदाहरण सहित बताया। उन्होंने डिप्लोमा कोर्स– कम्प्यूटर डिप्लोमा इन ऑफिस मैनेजमेंट के बारे में वर्धमान महावीर ओपन यूनिवर्सिटी, कोटा के अधिकारियों से उनके द्वारा पृष्ठ सं. 92 पर उल्लेखित सामग्री पर विचार–विमर्श कर क्रेडिट के बारे में जानकारी प्राप्त की। इस डिप्लोमा में 6 क्रेडिट अध्यापन का उल्लेख किया गया है। वर्धमान महावीर ओपन यूनिवर्सिटी, कोटा के अधिकारियों ने बताया कि एक क्रेडिट का मतलब 3 घण्टे अध्यापन होना एवं परीक्षा में 70 प्रतिशत मार्क्स थ्योरी एवं 30 प्रतिशत मार्क्स प्रायोगिक के बताये। इसके साथ ही 50 ऑब्जेक्टिव क्यूश्चन प्रत्येक 2 नम्बर का आता है।

अध्यक्ष महोदय ने कहा कि वर्तमान में वर्धमान महावीर ओपन यूनिवर्सिटी, कोटा के 47 स्टेडी सेन्टर संचालित है, उन्हीं में से 25 राजकीय महाविद्यालयों का एवं कोर्सेज का चयन निम्नलिखित बिन्दुओं को ध्यान में रखते हुए करेंगे–

1. **लोकेशन**
2. **छात्र संख्या**
3. **लोकल इण्डस्ट्री**
4. **निदेशालय कॉलेज शिक्षा का कॉलेज के संबंध में दृष्टिकोण**
5. **प्राचार्य, फैकल्टी कैसी है ?**

अध्यक्ष महोदय ने कहा कि शेष बचे 22 कालेजों के लिए बाद में काम करेंगे। वर्धमान महावीर ओपन यूनिवर्सिटी द्वारा जो कोर्सेज संचालित है उनकी फैकल्टी मार्केट में आसानी से उपलब्ध हो सकेगी यदि नहीं मिले तो विडियो, स्मार्ट क्लास, सी.डी./डी.वी.डी. से भी काम चल सकता है। उन्होंने कहा कि सत्र 2014–15 के लिए 30 जनवरी 2014 तक इन 25 राजकीय महाविद्यालयों में कोर्सेज के सम्बन्ध में सारी तैयारियां पूर्ण की जानी है।

अध्यक्ष महोदय ने विचार–विमर्श पश्चात् वर्धमान महावीर ओपन यूनिवर्सिटी, कोटा द्वारा संचालित डिप्लोमा/सर्टिफिकेट कोर्सेज में से 8 डिलोमा एवं 10 सर्टिफिकेट कोर्सेज को चिन्हित किया।

वर्धमान महावीर ओपन यूनिवर्सिटी, कोटा के अधिकारियों ने बताया कि इस सत्र से कैट कोर्स प्रारम्भ किये जाने के पश्चात् राजकीय महाविद्यालयों में छात्रों की संख्या नजर आने लगी है, अन्यथा राजकीय महाविद्यालयों में छात्र नजर नहीं आते थे। कैट कोर्स प्रारम्भ करने के लिए निदेशालय बधाई का पात्र है।

अध्यक्ष महोदय ने कहा कि इस मीटिंग में लिये गये निर्णय के आधार पर सत्र 2014–15 में वर्धमान महावीर ओपन यूनिवर्सिटी, कोटा द्वारा संचालित कोर्सेज को पूर्व से स्टेडी सेन्टर संचालित कर रहे 25 राजकीय महाविद्यालय एडोप्ट करेंगे। ये 25 राजकीय महाविद्यालय हमारे बेंच मार्क है, इनकी संख्या बढ़ सकती है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के कोर्सेज कन्टेन्ट्स अच्छे है तथा युवा वर्ग के लिए रोजगारोन्मुखी है।

अध्यक्ष महोदय ने वर्धमान महावीर ओपन यूनिवर्सिटी, कोटा के अधिकारियों से कहा कि इस बैठक का कार्यवाही विवरण तैयार करवा कर निदेशालय की वेबसाईट पर डलवा देंगे ताकि समय पर फलो–अप हो सके तथा अगले महीने माह अक्टूबर में चुने गये 25 राजकीय महाविद्यालयों की विश्वविद्यालय के अधिकारियों के साथ एक बैठक/सेमीनार करवा देगें।

अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक का समापन हुआ।

(डॉ. राजेश शुक्ला)
संयुक्त–निदेशक (अकादमी)
कालेज शिक्षा, राजस्थान, जयपुर

क्रमांकः एफ 7 (4)अकाद/निकाशि/प्रवेश नीति/2013/279 दिनांकः 04 अक्टूबर, 2013

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है–

1. संबंधित उपस्थित अधिकारीगण।
2. डॉ. धीरेन्द्र देवर्षि को वेबसाईट पर अपलोड करने हेतु।

(डॉ. राजेश शुक्ला)
संयुक्त–निदेशक (अकादमी)